तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर अहकाम हुक्म में
20/7/17	... की पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई। ... द्वारा सत्यता न्यायालय का ... होने के कारण अग्रिम कार्यवाही हेतु ... 20.9.17 को पेश हो।	
20/9/17	पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली ... आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 16.11.17 को पेश हो	
16/11/17	पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 30-11-17 को पेश हो	
30/11/17	पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 19-1-18 को पेश हो	
19-1-18	पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली ... आईन्दा दिनांक 22-3-18 को पेश हो	
23.3.18	नियत पेशी का एक दिन का अवकाश होने से आज पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / ... अधिकारी दौरे पर / ... व्यस्त। पत्रावली ... आईन्दा दिनांक 8-6-18 को पेश हो	
21/08/18	हैलनाहि पेशी देने पर पत्रावली पेश हुई। ... उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य ... व्यस्त। पत्रावली ... आईन्दा दिनांक 15/11/18 को पेश हो	

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
07/02/19 इजराजी पेटी देने पर पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधि. ~~दौरे पर~~/ ~~अन्य कार्य में व्यस्त~~। अधिवक्तागण की हड़ताल पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक—9/5/19—को पेश हो।	
09/05/19 पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। ✓ पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 29/08/19—को पेश हो।	
29/08/19 पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। ✓ पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक—21/11/19—को पेश हो।	
पत्रावली पेश हुई। प्रकरण में बार-बार आवाज लगवाई गई। बावजूद आवाज लगवाने वकुलाय उभयपक्ष अथवा पक्षकारान में से कोई भी हाजिर अदालत नहीं आया है। अतः प्रकरण अदम हाजिरी एवं अदम पैरवी में खारीज किया जाता है। पत्रावली कैन्सल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।	

Scanned by CamScanner